AEP STUDY CIRCLE

IIT-NEET-CBSE

ACCENTS EDUCATIONAL PROMOTERS

23 YEARS OF LEGACY

HINDI - B

CBSE-X

आगामी CBSE 10वीं कक्षा हिंदी परीक्षा के लिए हमारे विशेषित मॉक टेस्ट के साथ तैयारी करें, जो आपकी समझ का मूल्यांकन करने, मुख्य अवधारणाओं को मजबूत करने और आगामी परीक्षा के लिए आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

MOCK - TEST

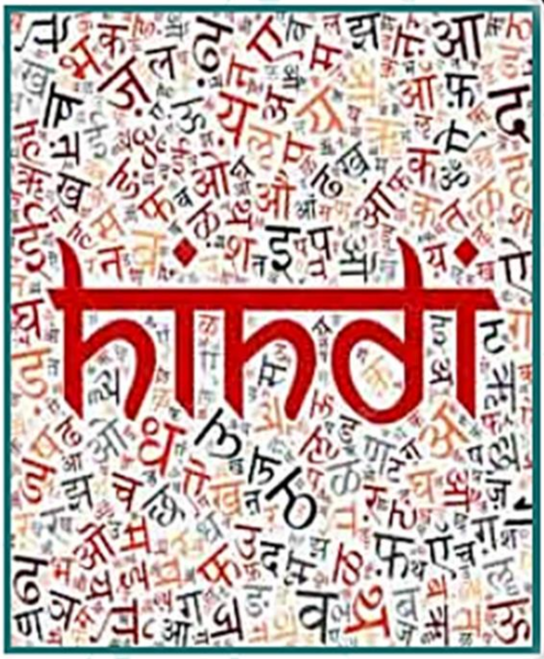

NEET IIT-JEE CBSE

OFFLINE-ONLINE LEARNING ACADEMY

The Success Destination

Prepare for success in CBSE Class 10 Hindi with the Mock Test. Order now to elevate your proficiency and approach your exams with confidence and assurance!

+91-9939586130
+91-7739650505

2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 1
हिंदी (ब) कोड संख्या 085
कक्षा – दसवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं की बरफ़ीली चोटियों के स्पर्श से शीतल हुई हवा सबसे बेखबर अपनी ही मस्ती में सुबह-सुबह बहती जा रही थी। जब वह जंगलों के बीच से गुजर रही थी, तो फूलों से लदी खूबसूरत वन लता ने अपने रंग भरे श्रृंगार को झलकाते हुए कहा, ओ शीतल हवा! तनिक मेरे पास आओ और रुको। ताकि मेरी खुशबू से ओतप्रोत होकर इस संसार को अपठित गद्यांश शीतल ही नहीं, सुगंधित भी कर सको लेकिन गर्व से भरी वायु ने सुगंध बाँटने को आतुर लता की प्रार्थना नहीं सुनी और कहा, मैं यूँ ही सबको शीतल कर दूँगी, मुझे किसी से कुछ और लेने की ज़रूरत नहीं है। फिर वह इठलाती हुई आगे बढ़ गई।

पर कुछ ही देर बाद हवा वापस वहीं लौटकर आ गई, जहाँ वन लता से उसका वार्तालाप हुआ था। उसकी चंचलता खत्म हो चुकी थी और वह उदास थी। वह चुपचाप उस लता के समीप बैठ गई।

हवा को इस हाल में देखकर वन लता ने पूछा, अभी कुछ देर पहले ही तो तुम यहाँ से गुज़री थी और खुश लग रही थी। अब इतनी उदास दिखाई पड़ रही हो, क्या बात है? क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ? यह सुनकर हवा की आँखों से आँसू झरने लगे। उसने कहा, मैंने अहंकारवश तेरी बात नहीं सुनी और न तेरी खुशबू को ही साथ लिया, लेकिन जैसे ही आगे बढ़ी, गंदगी और बदबू में घिर गई। किसी तरह वहाँ से बचकर आगे बढ़ी और घरों तक पहुँची, लेकिन वहाँ किसी ने मेरा स्वागत नहीं किया। लोगों ने अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाजे बंद कर लिए। इसमें उनका भी कोई दोष नहीं था।उस गंदे क्षेत्र से गुजरने के कारण मुझमें दुर्गंध व्याप्त हो गई थी। भला दुर्गंधयुक्त वायु का कोई कैसे स्वागत करता?

(i) हवा को किस पर घमंड था?

क) अपनी शक्ति पर   ख) अपनी गति पर

2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

ग) अपनी उड़ान पर　　　घ) अपनी शीतलता पर

(ii) लता क्या करने के लिए आतुर थी?

क) लोगों से मिलने को　　　ख) हवा के साथ जाने को

ग) घूमने को　　　घ) सुगंध बाँटने को

(iii) हवा को किसने रोका और क्यों?

क) पर्वतों ने , क्योंकि वे उसे जाने नहीं देना चाहते थे　　　ख) लता ने , क्योंकि वह भी जाना चाहती थी

ग) गंदगी ने, क्योंकि उसे हवा पसंद नहीं थी　　　घ) लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी

(iv) गंदगी और बदबू का हवा पर क्या असर पड़ा?

क) हवा सुगन्धयुक्त हो गई थी　　　ख) हवा शीतल हो गई थी

ग) हवा चलनी बंद हो गई थी　　　घ) हवा दुर्गन्धियुक्त हो गई थी

(v) **कथन (A):** अपने आस-पास के वातावरण का प्रभाव सजीव के साथ-साथ प्रकृति पर भी पड़ता है।
कारण (R): दुर्गन्धियुक्त वायु वातावरण को भी दुर्गन्ध से युक्त कर देती है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।　　　ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।　　　घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।
जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय आती है, क्योंकि उद्योग धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बद्लने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(i) कुशल श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है?

क) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे कर सके।

ख) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे न कर सके।

ग) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।

घ) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं न कर सके।

(ii) जाति-प्रथा के सिद्धांत का दूषित विचार क्या है ?

क) उसके पेशे को अपर्याप्त करना

ख) उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना

ग) उसके पेशे को निश्चित करना

घ) उसके पेशे का उसके द्वारा निर्धारण करना

(iii) हिन्दू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को कौनसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है ?

क) जिसमें वह पारंगत हो

ख) जो उसका पैतृक पेशा हो

ग) जिसमें वह पारंगत न हो

घ) जो उसका पैतृक पेशा न हो

(iv) कौनसा विभाजन मनुष्य की रूचि पर आधारित है?

क) जाति प्रथा

ख) उपरोक्त में से कोई नहीं

ग) श्रम विभाजन

घ) जाति विभाजन

(v) भारत में बेरोजगारी के प्रमुख कारक हैं-

i. मनुष्य का अपनी रूचि के अनुसार कार्य का चुनाव

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

ii. पैतृक पेशे का चुनाव
iii. पेशा बदलने की स्वतंत्रता न मिलना
iv. गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर देना

क) कथन i, ii व iv सही हैं   ख) कथन ii सही है

ग) कथन ii व iii सही हैं   घ) कथन i, ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) गोपी से सभी **प्रभावित हुए क्योंकि** वह एक प्रभावशाली लड़की है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) क्रिया-विशेषण पदबंध   ख) अव्यय पदबंध

ग) सर्वनाम पदबंध   घ) क्रिया पदबंध

(ii) तेज़ हवा चलने के कारण छत पर सूख रहे **कपड़े नीचे गिर गए**। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) संज्ञा पदबंध   ख) क्रिया पदबंध

ग) विशेषण पदबंध   घ) क्रियाविशेषण पदबंध

(iii) गिरीश नदी में **डूब गया**। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) संज्ञा पदबंध   ख) सर्वनाम पदबंध

ग) क्रिया पदबंध   घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(iv) **उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था**। - वाक्य में रेखांकित पदबंध है: **[1]**

क) क्रिया पदबंध   ख) संज्ञा पदबंध

ग) विशेषण पदबंध   घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(v) **मेरे बचपन का साथी रमेश** डॉक्टर है। रेखांकित में पदबंध है- **[1]**

क) विशेषण पदबंध   ख) क्रिया विशेषण पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध   घ) सर्वनाम पदबंध

4. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) निम्नलिखित में से सरल वाक्य है- [1]

i. हम बीस-बाईस तक रूपए खर्च कर डालते हैं, जो कि दादा भेजते हैं।
ii. दादा, जो रुपए भेजते हैं, उसे हम बीस-बाईस तक खर्च कर डालते हैं।
iii. दादा के द्वारा भेजे गए रुपए हम बीस-बाईस तक खर्च कर डालते हैं।
iv. हम बीस-बाईस तक रुपए खर्च कर डालते हैं जो कि दादा द्वारा भेजे जाते हैं।

क) विकल्प (iv) ख) विकल्प (iii)
ग) विकल्प (ii) घ) विकल्प (i)

(ii) कमाने वाला खाएगा - वाक्य का मिश्र रूप चुनिए: [1]

क) जो कमाएगा वह खाएगा। ख) कमाकर खाओ।
ग) खाने के लिए कमाना पड़ेगा। घ) कमाओ और खाओ।

(iii) आज हमारे घर राजमा बने हैं और चावल भी बने हैं। (सरल वाक्य) [1]

क) जब मेरे घर राजमा बनते है, तब चावल भी बनते हैं। ख) हमारे घर में राजमा बनने पर चावल बनाए जाते हैं।
ग) आज मेरे घर राजमा और चावल बने हैं। घ) क्योंकि आज मेरे घर राजमा बने हैं इसलिए चावल भी बने हैं।

(iv) **यह एक सभा थी और इसे ओपन चैलेंज कहा जाना चाहिए था।** वाक्य की दृष्टि से है- [1]

क) सामान्य वाक्य ख) संयुक्त वाक्य
ग) मिश्र वाक्य घ) सरल वाक्य

(v) **मेरे सिवाय सब आगे बढ़ गए।** संयुक्त वाक्य में बदलिए- [1]

क) सभी ख) सब आगे बढ़ गए परंतु मैं नहीं
ग) मैं सबके आगे बढ़ने प्रतीक्षा करता रहा। घ) सब आगे बढ़ते रहे और मैं भी आगे बढ़ता रहा।

5. **निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505

(i) 'वचनामृत' शब्द के लिए उचित समास विग्रह और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए। **[1]**

क) अमृत के समान वचन - समास विग्रह
कर्मधारय समास - समास का नाम

ख) अमृत के समान वचन - समास विग्रह
तत्पुरुष समास - समास का नाम

ग) वचन के समान अमृत - समास विग्रह
अव्ययीभाव समास - समास का नाम

घ) वचन के समान अमृत - समास विग्रह
तत्पुरुष समास - समास का नाम

(ii) **जन्मसिद्ध** समस्तपद का उपयुक्त समास विग्रह है: **[1]**

क) सिद्ध है जो जन्म
ख) जन्म के लिए सिद्ध
ग) जन्म और सिद्ध
घ) जन्म से सिद्ध

(iii) घुड़दौड़ **[1]**

क) घोड़ों में दौड़ - तत्पुरुष समास
ख) घोड़ों द्वारा दौड़ - तत्पुरुष समास
ग) घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास
घ) घोड़ों पर दौड़ - तत्पुरुष समास

(iv) **नतमस्तक** - समस्त-पद का विग्रह होगा **[1]**

क) नत है जो मस्तक
ख) नत से मस्तक
ग) मस्तक है नत
घ) नत का मस्तक

(v) **कार्यभार** पद का सही समास-विग्रह और भेद किस विकल्प में है? **[1]**

क) कार्य का भार - तत्पुरुष समास
ख) कार्य में भार - तत्पुरुष समास
ग) कार्य और भार - द्वंद्व समास
घ) कार्य को भार - तत्पुरुष समास

6. **निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) अपनी सखी को दुर्घटनाग्रस्त देखकर मेरी ________। **[1]**

क) आँख चली गई
ख) आँख रोने लगी
ग) आँख दर्द करने लगी
घ) आँख भर आई

2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

(ii) आतंकवादियों के पकड़े जाने से मानो डर का _______। **[1]**

क) किस्सा सुनाने लगा है। ख) कहानी खत्म हो गई है।

ग) किस्सा बन गया है। घ) किस्सा ख़त्म हो गया है।

(iii) अच्छी तरह पढ़ना **[1]**

क) शब्द जानना ख) शब्द पढ़ना

ग) शब्द चाटना घ) शब्द खाना

(iv) लालू की शराब की आदत ने उसके परिवार की ________ हैं। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए- **[1]**

क) इज्जत मिट्टी में मिलाना ख) शर्मसार करना

ग) बेइज्जत करना घ) बाजी लगा देना

(v) कक्षा में प्रथम आना है तो तुम्हें खूब ______पड़ेंगे। **[1]**

क) पापड़ बनाने ख) पापड़ खाने

ग) पापड़ बेलने घ) पापड़ पकाने

(vi) कुएँ में विशाल साँप को देखकर लेखक के ________ गए। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए- **[1]**

क) इनमें से कोई नहीं ख) उल्लू सीधा करना

ग) अंग-अंग टूटना घ) हाथ-पाँव फूल जाना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) कवि ने किसकी मृत्यु को सुमृत्यु माना है?

क) शिक्षित मनुष्य की ख) स्वार्थी मनुष्य की

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

ग) अमीर मनुष्य की | घ) परोपकारी मनुष्य की

(ii) कवि के अनुसार पशु-प्रवृत्ति क्या होती है?

क) देश के लिए जीना | ख) दूसरों के लिए जीना

ग) इनमें से कोई नहीं | घ) केवल अपने लिए जीना

(iii) **मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए** पंक्ति का क्या आशय है?

क) जिसकी इच्छाएँ कभी पूरी नहीं होतीं, वह कभी नहीं मरता। | ख) जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।

ग) जो अपने लिए जीता है, वह कभी नहीं मरता। | घ) जो पशुओं की भाँति जीता है, वह कभी नहीं मरता।

(iv) अमर कौन हो जाता है?

क) परोपकार करने वाला | ख) तपस्या करने वाला

ग) पशु के समान जीवन जीने वाला | घ) राज करने वाला

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. स्वार्थ की भावना का होना पशु-प्रवृति की निशानी है।
ii. परमार्थ की भावना ही मनुष्य की पहचान है।
iii. हमारी मृत्यु यादगार होनी चाहिए।
iv. दूसरों के लिए जीने वालों का जीना व्यर्थ होता है।
v. जो अपने लिए जीता है वही वास्तव में जीवित है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए –

क) (i), (iv), (iii) | ख) (iii), (iv), (v)

ग) (i), (ii), (iii) | घ) (ii), (iv), (v)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **कर चले हम फ़िदा** कविता के संदर्भ में जिन्दगी का मौत से गले मिलना का क्या भाव है? **[1]**

क) अपनी ख़ुशी को मारना | ख) सभी

ग) आत्म हत्या करना | घ) आत्मबलिदान देना

(ii) मीराबाई कैसी जागीर पाना चाहती है? **[1]**

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

क) भाव-भक्ति रूपी जागीर
ख) पूरा राज्य
ग) विशाल महल
घ) धन-सम्पत्ति से युक्त जीवन

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हल्के-हल्के झोंके, फुटबॉल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबॉल की वह तेजी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फजीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साए से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नजर मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(i) गद्यांश में किसकी अवहेलना की जाने की बात कही गई है?

क) शिक्षा प्रणाली की
ख) अध्यापक की
ग) टाइम-टेबिल की
घ) बड़े भाई साहब की

(ii) छोटे भाई द्वारा टाइम-टेबिल पर अमल क्यों नहीं किया जाता था?

क) पढ़ाई के प्रति अत्यधिक रुचि होने के कारण
ख) मस्ती और खेलों में अधिक रुचि होने के कारण
ग) बड़े भाई की डाँट का भय समाप्त होने के कारण
घ) स्वयं को मुक्त करने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): मैदान की हरियाली, हवा के झोंके, फुटबॉल और कबड्डी के खेल आदि छोटे भाई को आकर्षित नहीं कर पाते थे।
कारण (R): छोटा भाई खेल-कूद का तिरस्कार कर दिया करता था।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) बड़े भाई साहब को नसीहत देने का अवसर किस समय मिल जाता था?

क) जब लेखक खेलकर आता था

ख) जब लेखक खेलकर आता था और जब लेखक पढ़ाई नहीं करता था

ग) जब लेखक भाई साहब का कहना मानता था

घ) जब लेखक पढ़ाई नहीं करता था

(v) **मौत और विपत्ति के बीच** से क्या आशय है?

क) ऐसी स्थिति जिसमें बचने का कोई आसार नज़र न आता हो

ख) भयानक स्थिति

ग) ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति दृढ़ निश्चयी बना रहे

घ) ऐसी स्थिति जिसमें आत्मग्लानि का अनुभव हो

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **तीसरी कसम** फ़िल्म किस की कहानी पर बनी थी? **[1]**

क) शैलेंद्र के

ख) जयशंकर प्रसाद के

ग) प्रेमचंद्र के

घ) फणीश्वरनाथ रेणु की

(ii) तताँरा कमर में क्या बाँधता था? **[1]**

क) सोने की मुद्रा

ख) दुपट्टा

ग) लकड़ी की तलवार

घ) पानी का पात्र

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) 26 जनवरी, 1931 के कोलकाता में हुए घटनाक्रम की उन बातों का वर्णन कीजिए जिनके कारण लेखक ने डायरी में लिखा, **आज जो बात थी वह निराली थी।** **[3]**

(ii) कारतूस पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जाँबाज़ वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था। **[3]**

(iii) 'टी-सेरेमनी' से क्या तात्पर्य है? इसकी विधि का उल्लेख कीजिए। **[3]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

(i) कंपनी बाग और तोप को विरासत मानकर सुरक्षित रखे जाने का कारण अपने शब्दों में लिखिए। [3]

(ii) **आत्मत्राण** कविता में क्या कवि की यह प्रार्थना आपको अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है? यदि हाँ, तो कैसे? [3]

(iii) "पंत प्रकृति चित्रण के सर्वोत्तम कवि हैं।" 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** [6]

(i) महंत द्वारा हरिहर काका का अपहरण महंत के चरित्र की किस सच्चाई को सामने लाता है? ठाकुरबाड़ी जैसी संस्थाओं से कैसे बचा जा सकता है? [3]

(ii) सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चों का खेलकूद में अधिक रुचि लेना अभिभावकों को अप्रिय क्यों लगता था? [3]

(iii) दस अक्तूबर, सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है? टोपी शुक्ला पाठ के आधार लिखिए। [3]

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. **आज़ाद देश के 75 साल और भविष्य की उम्मीदें** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [5]
संकेत बिंदु:
- 75 वर्ष के बाद देश का वर्तमान
- भविष्य के लक्ष्य
- लक्ष्य पाने के रास्ते
- नागरिकों का दायित्व

अथवा

विज्ञापन की बढती हुई लोकप्रियता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
- विज्ञापन की आवश्यकता
- विज्ञापनों से होने वाले लाभ
- विज्ञापनों से होने वाली हानियाँ

अथवा

हिन्दी साहित्य की उपेक्षा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।
- हमारी मातृभाषा

- पाठकों का घटता रुझान और कारण
- उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय

15. अकसर हम सड़क दुर्घटनाओं के विषय में सुनते हैं, जिनका कारण खराब सड़कें भी हैं। सड़कों की दुर्दशा का वर्णन करते हुए किसी हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

16. आप विद्यालय के प्रमुख छात्र, मानव हैं। आपके विद्यालय में आपदा-प्रबंधन की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन होने वाला है। छठी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को सूचित करने हेतु 50 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आपके विद्यालय में दाँतों के डॉक्टरों द्वारा कैंप लगाया गया है। आप न्यू इरा विद्यालय के सचिव हैं। सभी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

17. आप अपनी पुरानी साइकिल बेचना चाहते हैं। इसकी जानकारी देते हुए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

पुस्तक विक्रेता के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

18. **मैं हूँ गोरैया** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

छात्रों के लिए अधिक खेल-सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए अपने प्रधानाचार्य महोदय को xyzschool@gmail.com पर एक ईमेल लिखिए।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

Answers

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं की बरफ़ीली चोटियों के स्पर्श से शीतल हुई हवा सबसे बेखबर अपनी ही मस्ती में सुबह-सुबह बहती जा रही थी। जब वह जंगलों के बीच से गुजर रही थी, तो फूलों से लदी खूबसूरत वन लता ने अपने रंग भरे शृंगार को झलकाते हुए कहा, ओ शीतल हवा! तनिक मेरे पास आओ और रुको। ताकि मेरी खुशबू से ओतप्रोत होकर इस संसार को अपठित गद्यांश शीतल ही नहीं, सुगंधित भी कर सको लेकिन गर्व से भरी वायु ने सुगंध बाँटने को आतुर लता की प्रार्थना नहीं सुनी और कहा, मैं यूँ ही सबको शीतल कर दूँगी, मुझे किसी से कुछ और लेने की ज़रूरत नहीं है। फिर वह इठलाती हुई आगे बढ़ गई।

पर कुछ ही देर बाद हवा वापस वहीं लौटकर आ गई, जहाँ वन लता से उसका वार्तालाप हुआ था। उसकी चंचलता खत्म हो चुकी थी और वह उदास थी। वह चुपचाप उस लता के समीप बैठ गई। हवा को इस हाल में देखकर वन लता ने पूछा, अभी कुछ देर पहले ही तो तुम यहाँ से गुज़री थी और खुश लग रही थी। अब इतनी उदास दिखाई पड़ रही हो, क्या बात है? क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ? यह सुनकर हवा की आँखों से आँसू झरने लगे। उसने कहा, मैंने अहंकारवश तेरी बात नहीं सुनी और न तेरी खुशबू को ही साथ लिया, लेकिन जैसे ही आगे बढ़ी, गंदगी और बदबू में घिर गई। किसी तरह वहाँ से बचकर आगे बढ़ी और घरों तक पहुँची, लेकिन वहाँ किसी ने मेरा स्वागत नहीं किया। लोगों ने अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाजे बंद कर लिए। इसमें उनका भी कोई दोष नहीं था।उस गंदे क्षेत्र से गुजरने के कारण मुझमें दुर्गंध व्याप्त हो गई थी। भला दुर्गंधयुक्त वायु का कोई कैसे स्वागत करता?

(i) **(घ)** अपनी शीतलता पर
व्याख्या: अपनी शीतलता पर

(ii) **(घ)** सुगंध बाँटने को
व्याख्या: सुगंध बाँटने को

(iii) **(घ)** लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
व्याख्या: लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी

(iv) **(घ)** हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
व्याख्या: हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय आती है, क्योंकि उद्योग धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बद्लने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(i) **(ग)** व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।
व्याख्या: व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।

(ii) **(ख)** उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना
व्याख्या: उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना

(iii) **(घ)** जो उसका पैतृक पेशा न हो
व्याख्या: जो उसका पैतृक पेशा न हो

(iv) **(ग)** श्रम विभाजन
व्याख्या: श्रम विभाजन

(v) **(ग)** कथन ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** अव्यय पदबंध
व्याख्या: अव्यय पदबंध

(ii) **(ख)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: क्रिया पदबंध

(iii) **(ग)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: डूबना क्रिया है।

(iv) **(क)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: क्रिया पदबंध

(v) **(ग)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** विकल्प (iii)
व्याख्या: दादा के द्वारा भेजे गए रुपए हम बीस-बाईस तक खर्च कर डालते हैं

(ii) **(ख)** कमाकर खाओ।
व्याख्या: कमाकर खाओ।

(iii) **(ग)** आज मेरे घर राजमा और चावल बने हैं।
व्याख्या: यह विकल्प सही है। उद्देश्य- आज मेरे घर राजमा और चावल, विधेय- बने हैं।

(iv) **(ख)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य

(v) **(ख)** सब आगे बढ़ गए परंतु मैं नहीं
व्याख्या: सब आगे बढ़ गए परंतु मैं नहीं

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** अमृत के समान वचन - समास विग्रह
कर्मधारय समास - समास का नाम
व्याख्या: उपमेय - उपमान का संबंध होने के कारण यहाँ कर्मधारय समास है।

(ii) **(घ)** जन्म से सिद्ध
व्याख्या: जन्म से सिद्ध

(iii) **(ग)** घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास
व्याख्या: स्पष्टीकरण-यहाँ सभी भेद तत्पुरुष समास के दिए गए हैं पर यह विकल्प सही है लेकिन उपयुक्त विग्रह घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास है, क्योंकि यह घोड़ों और दौड़ के मध्य संबंध दर्शा रहा है। यह तत्पुरुष भेद के अंतर्गत 'संबंध तत्पुरुष' का उदाहरण है।

(iv) **(ख)** नत से मस्तक
व्याख्या: नत से मस्तक

(v) **(क)** कार्य का भार - तत्पुरुष समास
व्याख्या: कार्य का भार - तत्पुरुष समास

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** आँख भर आई
व्याख्या: आँख भर आई - दुखी होना

(ii) **(घ)** किस्सा ख़त्म हो गया है।
व्याख्या: किस्सा ख़त्म हो गया है। - बेखौफ हो जाना

(iii) **(ग)** शब्द चाटना
व्याख्या: शब्द चाटना - परीक्षा की तैयारी करते हुए रामू ने एक-एक शब्द चाट लिए।

(iv) **(क)** इज्जत मिट्टी में मिलाना
व्याख्या: इज्जत मिट्टी में मिलाना

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

(v) **(ग)** पापड़ बेलने
व्याख्या: पापड़ बेलने - कई तरह के उपाय (येन-केन प्रकारेण)
(vi) **(घ)** हाथ-पाँव फूल जाना
व्याख्या: हाथ-पाँव फूल जाना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।
(i) **(घ)** परोपकारी मनुष्य की
व्याख्या: परोपकारी मनुष्य की
(ii) **(घ)** केवल अपने लिए जीना
व्याख्या: केवल अपने लिए जीना
(iii) **(ख)** जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।
व्याख्या: जो अपना जीवन परोपकार में लगा देता है, वह कभी नहीं मरता।
(iv) **(क)** परोपकार करने वाला
व्याख्या: परोपकार करने वाला
(v) **(ग)** (i), (ii), (iii)
व्याख्या: स्वार्थ की भावना का होना पशु-प्रवृति की निशानी है। परमार्थ की भावना ही मनुष्य की पहचान है। हमारी मृत्यु यादगार होनी चाहिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।
(i) **(घ)** आत्मबलिदान देना
व्याख्या: कर चले हम फ़िदा कविता के संदर्भ में जिन्दगी का मौत से गले मिलना का भाव है आत्मबलिदान देना।
(ii) **(क)** भाव-भक्ति रूपी जागीर
व्याख्या: मीरा भाव-भक्ति रूपी जागीर प्राप्त करना चाहती हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हल्के-हल्के झोंके, फुटबॉल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबॉल की वह तेजी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फजीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साए से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नजर मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(i) **(ग)** टाइम-टेबिल की
व्याख्या: टाइम-टेबिल की

(ii) **(ख)** मस्ती और खेलों में अधिक रुचि होने के कारण
व्याख्या: मस्ती और खेलों में अधिक रुचि होने के कारण

(iii) **(क)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) **(ख)** जब लेखक खेलकर आता था और जब लेखक पढ़ाई नहीं करता था
व्याख्या: जब लेखक खेलकर आता था और जब लेखक पढ़ाई नहीं करता था

(v) **(क)** ऐसी स्थिति जिसमें बचने का कोई आसार नज़र न आता हो
व्याख्या: ऐसी स्थिति जिसमें बचने का कोई आसार नज़र न आता हो

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** फणीश्वरनाथ रेणु की
व्याख्या: फणीश्वरनाथ रेणु की

(ii) **(ग)** लकड़ी की तलवार
व्याख्या: तताँरा अपने कमर में हमेशा एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) 26 जनवरी, 1930 में सारे हिन्दुस्तान में स्वतंत्रता दिवस बनाया गया था। इस वर्ष उसकी पुनरावृत्ति थी। गत वर्ष कलकत्ता वासी इसमें हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन इस वर्ष कलकत्ता वासियों की इसमें भारी संख्या में भागीदारी रही। सभी ने बहुत उत्साह के साथ इसकी तैयारियाँ कीं। इसके प्रचार में ही दो हजार रुपया खर्च किया गया था। सबसे बड़ी बात यह थी कि स्त्री समाज ने भी इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। उनका योगदान अभूतपूर्व रहा। प्रायः सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहराया गया, मकानों को सजाया गया। अपूर्व उत्साह और नवीनता के साथ हजारों की संख्या में लोग टोलियाँ बनाकर घूमते दिख रहे थे व जगह-जगह पर सभाओं का आयोजन किया जा रहा था। बाजारों की सजावट से लग रहा था कि मानो स्वतंत्रता मिल ही गई हो। कलकत्ता के लोगों ने अंग्रेजी कानून को खुली चुनौती देकर देशभक्ति व एकता का अपूर्व प्रदर्शन किया। अंग्रेजी सरकार द्वारा सभा भंग करने की कई कोशिशें भी हुई, कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए। पुलिस द्वारा लाठियाँ भी चलाई गई। लेकिन लाठियों की चोट सहकर भी जनता और कार्यकताओं ने संगठित होकर मोनुमैंट के नीचे सभा की व अपने कार्यक्रम को सफल बनाया। इसीलिए लेखक ने डायरी में लिखा, "आज जो बात थी वह निराली थी।"

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

(ii) ''कारतूस' पाठ का उद्देश्य जाँबाज़ वजीर अली की वीरता एवं साहस को सबके सामने लाना है। वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य ही अंग्रेजों को देश से बाहर करने का बन गया था । वस्तुतः जाँबाज़ वज़ीर अली समय के साथ-साथ इस तथ्य से परिचित हो गया कि ब्रिटिश शासन किसी भी दृष्टि से भारत एवं भारतवासियों के लिए लाभप्रद नहीं है। वह अपनी पाँच महीने की हुकूमत में ही अवध के दरबार को अंग्रेज़ी प्रभाव से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था। वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे -ज़मा को हिंदुस्तान में ब्रिटिश शासकों पर आक्रमण करने का निमंत्रण देता है। वह अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ लगातार संघर्ष करता है। उसने कंपनी के वकील का भी कत्ल कर दिया। उसकी योजना यही थी कि वह अपनी शक्ति बढ़ाकर अंग्रेज़ों को भारत से निकाल बाहर करे। इसके लिए वह अलग-अलग राजाओं से मिलकर प्रयास कर रहा था। उसने अपनी वीरता या जाँबाज़ी से अंग्रेज़ों के मन में एक खौफ पैदा कर दिया था।

(iii) टी-सेरेमनी जापान में चाय पीने की एक ऐसी विधि है, जिसमें लोग अपने सारे उलझनों को भूलकर शांति से कुछ वक्त चाय पीते हुए बिताते हैं। जापानी में इसे चा-नो-यू कहते हैं। इस विधि में शांति को प्रमुखता दी जाती है, इसलिए चाय पीने के स्थान पर एक साथ तीन लोगों से अधिक को प्रवेश नहीं दिया जाता है। इस चाय को पीते वक्त आदमी अपने भूत और भविष्य को भूलकर केवल वर्तमान में जीते हैं |

एक बड़े इमारत की छत पर दफ़्ती की दीवारों तथा चटाई की मदद से एक सुंदर वाली एक पर्णकुटी बनी होती है। बाहर मिट्टी के बर्तन में हाथ-पैर धोने के लिए पानी भरा होता है। हाथ-पैर धोकर और तौलिए से पोंछकर अंदर प्रवेश किया जाता है।चाजीन अँगीठी सुलगा कर चाय तैयार करता है। वहां इतनी शांति होती है कि चाय का खदकना भी स्पष्ट सुनाई देता है। बर्तन तौलिए से साफ़ करके चाय को प्यालों में डालकर अतिथि के सामने लाता है। प्याले में दो घूँट से ज्यादा चाय नहीं होती। वहीं होंठों से प्याला लगाकर बूँद-बूँद करके चाय पी जाती है। करीब डेढ़ घंटे तक यह सिलसिला जारी रहता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) कविता के अनुसार कवि ने कंपनी बाग और तोप दोनों को एक विरासत के रूप में चित्रित किया है । ईस्ट इंडिया कंपनी ने इन दोनों का निर्माण भारतीयों के लिए किया । पहले ये दोनों शक्ति के प्रतीक थे , परन्तु स्वंतत्रता मिलने के पश्चात ये दोनों केवल एक मनोरंजन के रूप में रह गए । ईस्ट इंडिया कंपनी ने तोप का प्रयोग भारतीय जनता के संघर्ष को कुचलने के लिए किया। इसके द्वारा अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को मृत्यु के घाट उतारकर भारतीयों को भयभीत करने का प्रयास किया गया। ये दोनों विरासते (तोप और कंपनी बाग) हमें विदेशी शक्तियों के प्रति सावधान करती हैं तथा संदेश देती हैं कि हमें विदेशी आकर्षण में नहीं फँसना चाहिए।

(ii) कवि की प्रस्तुत प्रार्थना मुझे अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है। सबसे पहले तो मैं इस प्रार्थना को अतुकान्त रूप या बिना किसी प्रत्यक्ष लय में आबद्ध पाता हूं। यह लय हम अस्पष्ट रुप में कुछ-कुछ पंक्तियों के अंतराल के बाद पाते हैं जो स्पष्ट नहीं है। कविता लेखन कला की दृष्टि से यह रचना कठिन जान पड़ती है। इसके अलावा इस कविता में हिन्दी के कुछ तत्सम या कठिन शब्दों का प्रयोग किया गया है। हम सामान्यतः देखते हैं कि अन्य प्रार्थनाओं में अकसर सुख, समृद्धि, दुखों एवं समस्याओं से निवारण संबंधित प्रार्थना होती है जबकि यह प्रार्थना उनसे बिलकुल ही अलग है वह केवल इतना चाहता है कि ईश्वर उसकी आत्मिक और नैतिक शक्ति

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

बनाए रखें।अन्य प्रार्थनाओं के उलटे इस प्रार्थना में कवि ने अपना सारा बोझ ईश्वर पर नहीं डाला। कवि अपनी सहायता खुद करना चाहता है। वह केवल इतना चाहता है कि भगवान उसके आसपास रहे और उसे उसका मात्रा एहसास होता रहे। इस प्रार्थना की यही विशेषताएं इसे अन्य प्रार्थना गीतों से अलग करती हैं।

(iii) पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं। उनके काव्य का मुख्य विषय प्रकृति चित्रण ही रहा है। उन्होंने अधिकतर प्रकृति के मधुर एवं कोमल रूप का ही चित्रण किया है और कहीं-कहीं प्रकृति के उग्र और भयानक रूप का वर्णन भी किया है। प्रकृति का चित्रण करते समय उन्होंने उपवन, नदी, पर्वत, बादल, समुद्र आदि प्राकृतिक उपकरणों का सहारा लेकर अपनी काव्य रचना की। उनकी कविताओं में अलंकारों का प्रयोग बहुत ही अच्छे तरीके से है जिसके कारण उनकी कविताओं की सुंदरता और बढ़ जाती है | उन्होंने प्रकृति के विभिन्न कार्यों के माध्यम से मनुष्यों को विभिन्न संदेश दिए हैं। प्रकृति उनके लिए कविता का मूल आधार रही है। एक सच्चे कवि की भाँति उनकी कल्पनाओं का क्षेत्र बहुत विस्तृत है। उनकी कल्पनाएँ मौलिक तथा नूतन हैं। यह उनकी कल्पना तथा भावों की अभिव्यक्ति का कौशल ही है, जो उन्होंने पर्वत को आकाश में उड़ते हुए बताया है, शाल के वृक्षों को भय के कारण ज़मीन में फँसा हुआ कहा है और शीतल जल से भरे हुए तालाब से आग उगलने का चित्रण किया है। इसके अतिरिक्त वे पर्वतों पर उगे हुए पेड़ों कि तुलना मनुष्य की उच्चाकांक्षाओ से की है| झरनों को सन्नाटा का प्रतीक बताया है जिससे प्रतीत होता है कि आकाश धरती पर आ गया हो | उन्होंने स्वच्छ और पारदर्शी जल वाले तालाब की तुलना आईने से की है |
इस प्रकार हम कह सकते हैं कि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति चित्रण के सर्वोत्तम कवि हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) 'ठाकुरबाड़ी' का महंत ढोंगी प्रवृत्ति का व्यक्ति था। वह केवल नाम मात्र का ही महंत था। वह अत्यंत लोभी और मक्कार चरित्र वाला था। वह हरिहर काका की ज़मीन पर नज़र गढ़ाए हुए था। हरिहर काका के घर के आपसी कलह से वह लाभ उठाना चाह रहा था। जब हरिहर काका ने ज़मीन लिखने से मना कर दिया तो वह हरिहर काका का अपहरण करवा देता है और उनके साथ मार-पीट भी करवा देता है। हरिहर काका का अपहरण किए जाने से महंत के चारित्रिक पतन की सच्चाई सामने आ जाती है। 'ठाकुरबाड़ी' जैसी संस्थाओं से बचने के लिए इनसे दूर रहने की आवश्यकता है। आजकल लोभी और ढोंगी लोग ऐसी संस्थाओं का नेतृत्व कर रहे हैं जिनसे धा£मक ज्ञान की जगह उन्माद फैल रहा है।

(ii) पाठ के अनुसार बच्चों का खेलकूद में अधिक रुचि लेना अभिभावकों को अप्रिय लगता था क्योंकि उनका मानना था कि केवल पढ़ाई कर के ही अपना भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है । वे मानते थे कि खेलकूद केवल समय की बर्बादी के सिवाय कुछ नहीं और खेलकूद में कोई भविष्य नहीं है।
वे अपने अध्ययनशील बच्चों के बेहतर भविष्य तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल पढ़ाई को ही महत्व देते थे, किन्तु बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद अत्यंत आवश्यक है । इससे हमारे व्यक्तित्व का विकास होता है साथ में खेल से परस्पर सहयोग, सहनशीलता तथा नेतृत्व के गुणों का विकास होता है। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन भी विकसित होता है। इन बातों को समझने वाले अभिभावक, बच्चों को समय के अनुसार खेलने को भी अवश्य प्रोत्साहित करते हैं।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

आपके द्वारा खेलते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि पढ़ाई व खेल में दिए जाने वाले समय में संतुलन बना रहे। छात्रों को अपनी दिनचर्या को इस प्रकार व्यवस्थित करना चाहिए कि खेल के कारण पढ़ाई में बाधा न पड़े।

(iii) दस अक्टूबर, सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि इसी दिन इफ्फन के पिता बदली होने पर सपरिवार मुरादाबाद चले गए। और टोपी ने इसी दिन कसम खाई कि वह अब किसी ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा जिसके पिता की नौकरी में बदली होती रहती हो। टोपी को इफ्फन की दादी से बहुत लगाव हो गया था और वो उन्हें अपने परिवार की तरह मानता था। ऐसी स्थिति में इफ्फन की दादी का मरना और फिर कुछ दिनों बाद उसके पिताजी का तबादला होना, टोपी के लिए किसी सदमे से कम नहीं था।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. **आजाद देश के 75 साल और भविष्य की उम्मीदें**

भारत विश्व का सबसे बड़ा संविधानिक देश है। भारत में विभिन्न प्रकार के जाति धर्म समुदाय रंग रूप संस्कृति के लोग मिलजुल कर रहते है। 15 अगस्त 1947 को भारत में ब्रिटिश सरकार से आजाद हुआ था। हमारे स्वतंत्रता सैन्य सालों तक अंग्रेज सरकार से लड़ते रहे और अंत में हिंदुस्तान को आजाद किया। भारत के आजाद होने के 75 साल पूरे होने पर यह एक गर्व का क्षण है। इस अवसर पर, हमें अपने देश के विकास, समृद्धि और अन्याय से मुक्ति के लिए खुद को प्रतिबद्ध करने का समय है।

विश्वास है कि देश के भविष्य में हमारी उम्मीदें बहुत ऊँची हैं। हम एक समृद्ध, विकसित, सामाजिक और आत्मनिर्भर भारत का सपना देखते हैं, जहाँ सभी नागरिक एक साथ मिलकर प्रगति करते हैं। आने वाले समय में, हमें इन चुनौतियों का सामना करने की आवश्यकता है, जैसे कि जनसंख्या वृद्धि, संसाधनों का संरक्षण, विकास के अवसरों का उपयोग करने के लिए समाज में समानता की बढ़ती जागरूकता, और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता।

भविष्य में हमारी उम्मीदें सामर्थ्यवान युवा तथा जनता के सशक्त भागीदारी पर आधारित हैं। हमें शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिकी में नए अध्ययन और उन्नति के लिए संसाधनों के प्रबंधन में नवाचारी और अभियांत्रिकी सोच को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। देश के 75 साल के जश्न पर, हमें अपने विकास के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए समर्पित रहना होगा और एकजुट होकर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सुधार को प्रोत्साहित करना होगा। हमें अपने संस्कृति, विरासत, और अद्भुत विविधता को संरक्षित रखने के लिए भी काम करना होगा। इस महत्वपूर्ण पथ पर, हमें अखंडता, सहयोग, और सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ना होगा ताकि हम अपने देश को समृद्ध, सामर्थ्य, और न्यायपूर्ण बना सकें। भारत के 75 साल और भविष्य में एक और प्रगति और समृद्धि का युग आने की हमें उम्मीद है।

अथवा

आज के युग को विज्ञापनों का युग कहा जा सकता है। आज सभी जगह विज्ञापन-ही-विज्ञापन नज़र आते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पाद एवं सेवा से संबंधित लुभावने विज्ञापन देकर उसे लोकप्रिय बनाने का हर संभव प्रयास करते हैं। किसी नए उत्पाद के विषय में जानकारी देने, उसकी विशेषता एवं प्राप्ति स्थान आदि बताने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। विज्ञापनों के द्वारा किसी भी सूचना तथा उत्पाद की जानकारी, पूर्व में प्रचलित किसी उत्पाद में आने

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

वाले बदलाव आदि की जानकारी सामान्य जनता को दी जा सकती है।
विज्ञापन का उद्देश्य जनता को किसी भी उत्पाद एवं सेवा की सही सूचना देना है, लेकिन आज विज्ञापनों में अपने उत्पाद को सर्वोत्तम तथा दूसरों के उत्पादों को निकृष्ट कोटि को बताया जाता है। आजकल के विज्ञापन भ्रामक होते हैं तथा मनुष्य को अनावश्यक खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। अतः विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह नहीं करें, बल्कि अपने उत्पाद के सही गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित सामान ग्राहकों तक पहुँचेगा और विज्ञापन अपने लक्ष्य में सफल होगा।

अथवा

हमारी मातृभाषा - किसी देश की वह भाषा जिसका प्रयोग उस देश के लगभग सभी राज्यों, क्षेत्रों, नगरों और गाँव के लोगों के द्वारा किया जाता है वह मातृ भाषा कहलाती है। हिन्दी भाषा भारत की मातृ भाषा व राष्ट्र भाषा दोनों पदों पर आसीन है। हिंदी भाषा को भारतीय संविधान में भारत की आधिकारिक राष्ट्र भाषा का स्थान प्राप्त है।
पाठकों का घटता रुझान और कारण - स्वतंत्रता के पश्चात् इस भाषा के साहित्यिक पक्ष की लोग उपेक्षा कर रहे हैं। वर्तमान समय में भी इसके साहित्य के प्रति लोगों का रुझान घटता जा रहा है। लोग हिन्दी साहित्य को छोड़कर विदेशी साहित्य के मनोरंजन के प्रधान साधन सिनेमा की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। उन्हें कविताओं के स्थान पर फिल्मी गानों की धुनें अधिक याद रहती हैं। इसकी उपेक्षा के मूल कारण हैं - हिन्दी साहित्य के प्रचार-प्रसार में कमी, दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रमों में इससे संबंधित कार्यक्रमों का अभाव व विद्यालयों में हिन्दी पर कम ध्यान दिया जाना। यदि यही स्थिति रही तो एक दिन हिन्दी साहित्य अपना अस्तित्व खो देगा।
उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय - इसके अस्तित्व को बचाने व लोगों में इसके प्रति रूचि बढ़ाने के लिए इसके प्रचार-प्रसार पर अधिक बल देना होगा। दूरदर्शन के कार्यक्रमों में इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों को स्थान देना होगा। काव्य गोष्ठियों का आयोजन करना होगा। कवि सम्मेलनों का आयोजन करना होगा व इन सबसे ऊपर कवियों का सम्मान करना होगा तभी हिन्दी साहित्य को पुनः अपना स्थान प्राप्त होगा।

15. 23, अजमेरी गेट
जोधपुर
दिनांकः 2/XX/20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
जोधपुर
विषय : सड़कों की दुर्दशा पर पत्र।
महोदय,
निवेदन है कि इस पत्र के माध्यम से मैं सड़कों की दुर्दशा की ओंर नगर निगम का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। हमने नगर निगम अधिकारी को अनेक पत्र लिखे पर इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। अब मैं इस आशा से यह पत्र लिख रहा हूँ कि शायद नगर निगम के अधिकारी हमारे क्षेत्र के लोगों का ध्यान रखते हुए उचित कार्यवाही करेंगे। यहाँ की सड़के इतनी संकरी है कि किसी वाहन के गुजरने पर पैदल चलने वाले लोगों के लिए जगह ही नहीं बचती। स्थान-स्थान पर यहाँ गड्ढे

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

हो रहे हैं और बरसात के दिनों में उनमें पानी भर जाता है और वे दुर्घटना को आमंत्रण देते हैं। सड़क की लाइट अधिकांश टूटी-फूटी हैं जिससे सड़क पर अँधेरा रहता है। आशा है कि आप मेरे इस पत्र को अपने समाचार पत्र में स्थान देंगे।

भवदीय

क.ख.ग.

अथवा

प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय,
पालम, दिल्ली।
01 मार्च, 2019

विषय-आर्थिक सहायता प्राप्त करने के विषय में

महोदय,

विनम्र निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नवम् 'अ' का विद्यार्थी हूँ। मेरे पिता जी एक फैक्ट्री में काम करते थे। सरकार द्वारा चलाए गए सीलिंग अभियान के दौरान वह फैक्ट्री सील कर दी गई। फैक्ट्री बंद होने से मेरे पिता जी बेरोज़गार हो गए। अब उन्होंने घर में ही परचून की दुकान खोल ली है। इस दुकान से होने वाली आय बहुत कम है। घर पर दादा-दादी सहित छह सदस्य हैं। महँगाई के इस जमाने में इतनी कम आय में गुज़ारा करना बहुत कठिन है, फिर भी पिता जी किसी तरह से घर का गुज़ारा चला रहे हैं। आय कम होने के कारण वे समय पर फीस नहीं दे पाते हैं और मुझे पुस्तकें भी नहीं दिला पा रहे हैं। आपसे प्रार्थना है कि मुझे विद्यालय से आर्थिक सहायता प्रदान करने की कृपा करें ताकि मैं अपनी पढ़ाई जारी रख सकूँ।

धन्यवाद सहित।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
बलवंत कुमार,
नवम् 'अ'
अनु. - 29

16.

सर्वोदय विद्यालय
दिल्ली कैंट, दिल्ली

सूचना
आपदा प्रबंधन कार्यशाला के आयोजन हेतु

विद्यालय परिषद द्वारा आप सभी कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि आपदा प्रबंधन की ओर से हमारे विद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विषय से संबंधित जानकारियाँ साझा की जाएगी। अतः आप सभी विद्यार्थियों से यह अनुरोध है कि इस कार्यशाला में उपस्थित रहकर इसकी जानकारी लें और इस आयोजन को सफल बनाएँ। कार्यक्रम इस प्रकार हैं-

- **दिनांक** - 18 मई 2023
- **समय** - शाम 5 बजे
- **स्थान** - विद्यालय परिसर

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

कार्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए पास की जरूरत होगी। पास पाने के लिए मुख्य अध्यापक से संपर्क करें।
प्रमुख छात्र
मानव

अथवा

न्यू इरा विद्यालय, नई दिल्ली
सूचना

1 अप्रैल, 2019

विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि मशहूर सर्जन डॉ. मेहता ने हमारे विद्यालय में दाँतों की सुरक्षा हेतु आवश्यक जानकारी देना स्वीकार किया है। 05 अप्रैल, 2019 को प्रातः 9 बजे विद्यालय के ऑडिटोरियम में वे स्लाइड्स के माध्यम से कार्यक्रम को रुचिकर बनाने हुए महत्त्वपूर्ण जानकारी देंगे। जो छात्र दाँतों की सुरक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, वे सचिव से संपर्क करें।
मोहित
(सचिव)

विज्ञापन
सबसे अच्छी सबसे सस्ती
सेकण्ड हैण्ड साइकिल

सिर्फ़- 1500/- में
मात्र छह महीने पुरानी साइकिल
चमकदार लाल रंग में
डिस्क ब्रेक के साथ
असली लैदर की शीट के साथ

खरीदने हेतु सम्पर्क करें:
गिरीश
17. ८८५४५२४१५XX

अथवा

"ज्ञान का दीप जलाने वाली
नया पाठ पढ़ाने वाली
हर कीमत में उपलब्ध
इसके लिए कम हैं शब्द"

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

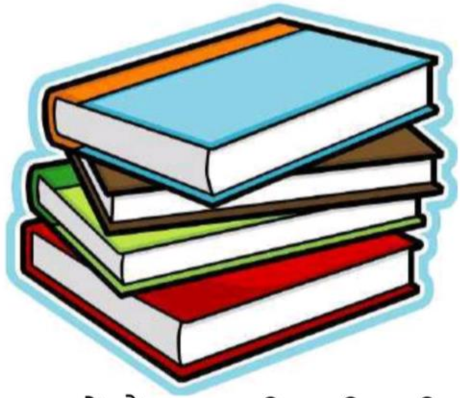

पुस्तकें हैं मनुष्य की सच्ची साथी
इसके जैसा न कोई थाती
पवनहंस बुक शॉप

संपर्क करें
पता:- राजनगर पालम, नई दिल्ली
फोन नं. 011252645XX

18. **मैं हूँ गोरैया**

मैं गोरैया, आज आपको अपनी कहानी सुनाती हूँ। वही गोरैया, जो कभी सवेरे सबके घरों के आँगन में आती थी सबको नींद से जगा देती थी। सामने के घर में एक छोटा-सा बच्चा मेरा घनिष्ठ मित्र बन गया था। घर जाकर दाना खाना और पानी पीकर कलरव करने उसके साथ खेलने में बड़ा आनंद आता था। एक दिन वह बीमार पड़ गया। उसे न देखकर मेरा मन नही लगा और मैं उदास हो गई। अब मैंने भी चहचहाना बंद कर दिया। एक सवेरे पीछे से आवाज आई- अरे छोटी चिड़िया ! मैंने अपनी गर्दन घुमाई तो देखा कि वही छोटा बच्चा मुस्कुराता हुआ मुझे बुला रहा था। मैं झट से उड़कर उसके कंधे पर जा बैठी।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: xyzschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - अधिक खेल सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध
महोदय,
जैसा कि आपको विदित है कि आगामी मास में जिले स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होने वाला है जिसमें हमारा विद्यालय भी भाग ले रहा है। हालांकि उपलब्ध साधनों से हमने अभ्यास किया है किन्तु वह पर्याप्त नहीं है। यह अनुरोध हम आपसे कर रहे हैं कि कृपया खिलाड़ियों की खेल सुविधाओं एवं सामग्री में कोई कमी न की जाए तथा खेल गतिविधियों हेतु अधिक फंड निधि की व्यवस्था की जाए ताकि आने वाली प्रतियोगिता में हम बेहतर प्रदर्शन कर सकें और विद्यालय का नाम रौशन कर सकें।
आशा है आप हम खिलाड़ियों के इस अनुरोध को स्वीकार करने की कृपा करेंगे।
पवन

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH